CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

जापानी वार्तालाप

FREE

66

5820

TEXT FOR APRIL-SEPTEMBER 1971

RADIO JAPAN

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-सूची

प्रवेश	पृष्ठ	१
वर्णमाला		१
पाठ-१ (अभिवादन)		६
पाठ-२ (संख्या)		७
पाठ-३ (वार)		८
पाठ-४ (आयु)		९
पाठ-५ (तारीख)		१०
पाठ-६ (वाक्य)		११
पाठ-७ (अस्तित्व)		१२
पाठ-८ (प्रश्न सूचक शब्द)		१३
पाठ-९ (विशेषण)		१४
पाठ-१० (विशेषण-२)		१५
पाठ-११ (अकर्मक क्रिया)		१६
पाठ-१२ (सकर्मक क्रिया)		१७
पाठ-१३ (क्रिया, विशेषण के रूप में)		१८
पाठ-१४ (संयुक्त क्रिया)		१९
पाठ-१५ (नकारात्मक वाक्य)		२०
पाठ-१६ (नकारात्मक वाक्य-२)		२१
पाठ-१७ (भूतकाल)		२२
पाठ-१८ (हाँ और नहीं)		२३
पाठ-१९ (तुलना)		२४
पाठ-२० (इच्छा)		२५
पाठ-२१ (निश्चय)		२६

State Museum Library Lucknow
5620

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

प्रवेश

हिन्दी भाषियों के लिये जापानी बोलचाल सीखना बहुत ही सरल है। इस के कुछ कारण हैं।

(१) जापानी भाषा का उच्चारण, हिन्दी भाषियों के लिये बहुत ही सरल है। स्वर "अ" और व्यंजन "त्स्" के बारे में ज़रा सावधान रहिये। अन्य सब ध्वनियाँ हिन्दी की ध्वनियों से मिलती जुलती हैं।

(२) स्वराघात और लय भी हिन्दी से मिलती जुलती है।

(३) वाक्य-रचना भी हिन्दी की भाँति ही की जाती है।

इन कारणों से हिन्दी भाषियों के लिये जापानी बोलना अत्यंत सरल है। भारत के लोग जापान आयें, तो वे दो तीन माह के भीतर ही जापानी भाषा बोलने लगते हैं, और उन की बोलचाल बहुत ही स्वाभाविक लगती है।

वर्णमाला

हिन्दी वर्णमाला से चवर्ग और टवर्ग को हटाइये। प्रत्येक वर्ग के केवल प्रथम व्यंजन को ही लीजिये, और उस व्यंजन पर "अ","इ","उ","ए"(ह्रस्व), और "ओ"(ह्रस्व) को जोड़ दीजिये, तो जापानी वर्णमाला का प्रत्येक वर्ग बन जाता है। इस का अर्थ यह है कि जापानी शब्द स्वरान्त के होते हैं। लिपियों की संख्या ५१ है, लेकिन प्रत्येक वर्ग में व्यंजन केवल एक या दो होने के कारण, व्यंजनों की संख्या बहुत कम है।

स्वरों का उच्चारण इस प्रकार है।

a i u e o

इन पाँचों में से केवल "a" और "u" ही हिन्दी से कुछ भिन्न हैं। जापानी "a" हिन्दी "अ" से मुँह कुछ और चौड़ा खोल कर उच्चारित किया जाता है।

State Museum Library Lucknow
5620

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

"u" हिन्दी की भाँति वृत्तमुखी नहीं है ।

लिपि की दृष्टि से ये पाँच स्वर हैं । इन स्वरों की दीर्घ ध्वनियाँ भी हैं ।

a: i: u: e: o:

ये दीर्घ ध्वनियाँ हिन्दी के दीर्घ स्वरों से मिलती जुलती हैं । अनुस्वार "न्" है । यह जापानी भाषा में एकमात्र व्यंजन है, जो बिना स्वर के उच्चारित किया जाता है । यह एक पूर्ण मात्रा का है । यह "न्" वर्णमाला के अन्त में आता है, और यह हिन्दी के अनुस्वार जैसा है ।

अब व्यंजनों पर ध्यान दीजिये ।

कवर्ग का उच्चारण इस प्रकार है ।

ka ki ku ke ko 1

इस से ज्ञात होता है कि व्यंजन एक है, जिस पर स्वर a,i,u,e, और o जोड़ दिये जाते हैं ।

कवर्ग के बाद दंत्य सवर्ग आता है ।

sa shi su se so 2

इस वर्ग में "shi" अन्य ध्वनियों से भिन्न है । जापानी में "सि" न होकर उस के स्थान पर "शि" आ जाता है ।

सवर्ग के बाद फिर दंत्य तवर्ग आता है । पर हिन्दी दंत्य की तुलना में जीभ कुछ ऊपर उठ जाती है ।

ta chi tsu te to 3

इस वर्ग में दो ध्वनियों पर विशेष ध्यान दीजिये । जापानी में "ति" ध्वनि न होकर उस के स्थान पर "चि" आती है ।

"त्सु" का उच्चारण हिन्दी भाषियों के लिये कुछ कठिन है । इस के उच्चारण पर विशेष ध्यान दीजिये ।

नवर्ग ।

na ni nu ne no 4

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

यह हिन्दी की भाँति है, क्योंकि हिन्दी "न" भी शुद्ध दंत्य न होकर उस के उच्चारण में जीभ दंतमांस की ओर उठ जाती है ।

हवर्ग ।

ha hi fu he ho 5

इस वर्ग में "**fu**" अन्य ध्वनियों से कुछ भिन्न है । यह हिन्दी की "फ़ु" की तरह उच्चारित होती है । हिन्दी वर्णमाला के अनुसार यहाँ पवर्ग आना चाहिये । कहा जाता है कि जापानी वर्णमाला में भी पहले इस स्थान पर पवर्ग आता था । लेकिन धीरे धीरे उच्चारण बदलता गया, और हवर्ग आ गया है ।

मवर्ग ।

ma mi mu me mo 6

ये ध्वनियाँ हिन्दी की ही तरह उच्चारित की जाती हैं ।

इस के बाद अर्धस्वर "य","र" और "व" आते हैं ।

यवर्ग में केवल "**ya**" "**yu**" और "**yo**" हैं । अन्य दो स्थानों पर स्वर "**i**" और "**e**" आते हैं । 7

"र" भारतीय लोगों के लिये विचित्र ध्वनि है । जापानी "र्" न हिन्दी की "र" है, और न "ल" । "र" और "ल" के बीच की ध्वनि है । उच्चारण के आरंभ में जीभ "र" के स्थान पर आती है, और "ल" के स्थान पर आकर रह जाती है । इसी लिये अधिकतर जापानी लोग "र" और "ल" का ठीक तरह से उच्चारण नहीं कर पाते ।

ra ri ru re ro 8

हिन्दी "व" में (**v**) और (**w**) दो ध्वनियाँ होती हैं । जब आप (**w**) का उच्चारण करें, तो वह ठीक जापानी "**w**" बन जाती है । इस वर्ग में लिपियाँ केवल **wa** और **wo** हैं । लेकिन **wo** भी साधारणतया स्वर "**o**" की तरह उच्चारित होती है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

यह है, जापानी वर्णमाला ।

कहा जाता है कि जब जापानी लिपि बन गई, ठीक उसी समय संस्कृत का अध्ययन ज़ोरशोर से हो रहा था, और जापानी लिपियों को संस्कृत वर्णमाला के अनुकरण पर तरतीब दी गई है । इस प्रकार जापानी वर्णमाला हिन्दी वर्णमाला से मिलती जुलती है ।

इस प्रकार जापानी लिपियाँ बन तो गईं, पर उस में सम्मिलित ध्वनियों के अतिरिक्त भी कुछ ध्वनियाँ हैं । या ऐसी ध्वनियाँ भी हैं, जो विदेशी भाषाओं के प्रभाव से वर्णमाला के बन जाने के बाद आ गई हैं । ऐसी ध्वनियाँ या तो मूल जापानी लिपियों पर कुछ चिन्ह लगाकर, या एक प्रकार का संयुक्त व्यंजन बना कर व्यक्त की जाती हैं ।

अब इन ध्वनियों का अध्ययन कीजिये ।

पहले कहा गया था कि जापानी वर्णमाला का हवर्ग, पहले पवर्ग हुआ करता था । आधुनिक जापानी में पवर्ग है, जिस की ध्वनियाँ हवर्ग की लिपियों के दायें कंधे पर एक छोटा सा वलय लगाकर व्यक्त की जाती हैं ।

pa pi pu pe po 9

इन ध्वनियों का उच्चारण बहुत ही सरल है ।

कवर्ग, सवर्ग, तवर्ग और पवर्ग की सघोष ध्वनियाँ भी हैं, जो प्रत्येक लिपि के दायें कंधे पर दो छोटे बिन्दु लगाकर व्यक्त की जाती हैं ।

ga gi gu ge go 10

za ji zu ze zo 11

da ji zu de do 12

ba bi bu be bo 13

इन ध्वनियों का उच्चारण हिन्दी भाषियों के लिये बहुत सरल है । आप को "**za**" पर कुछ ध्यान देना होगा । 14

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

इन के अतिरिक्त **kya, kyu, kyo; cha, chu, cho; nya, nyu, nyo; hya, hyu, hyo; mya, myu, myo; rya, ryu, ryo** आदि ध्वनियाँ भी हैं, जो संयुक्त व्यंजन द्वारा व्यक्त की जाती हैं ।

Suzuki san	सुज़ुकि जी
Sato: san	सातो जी
Tanaka san	तानाका जी

(१) जापान में लोग साधारणतया पारिवारिक नाम से पुकारे जाते हैं ।

(२) **san** का अर्थ है, श्री (श्रीमती, कुमारी) या जी । यह नाम के बाद लगाया जाता है ।

(३) यह **san** दूसरे के नाम पर लगाते हैं, अपने नाम पर कभी नहीं लगाते ।

(४) कातो, सातो आदि पारिवारिक नामों से वर्ग, जाति आदि व्यक्त नहीं होते । जापान में सब से अधिक सुने जाने वाले पारिवारिक नाम हैं, **Suzuki, Sato, Tanaka, Yamamoto, Takahashi, Nakamura, Ito, Saito, Watanabe** ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१

AISATSU (अभिवादन)

Ohayo: gozaimasu	नमस्ते (प्रातः का अभिवादन)
Ohayo:	नमस्ते (अपने बराबर या अपने से छोटों को संबोधित करते हुये)
Kon-nichiwa	नमस्ते (दिन का अभिवादन)
Kon-banwa	नमस्ते (रात का अभिवादन)
Sayo:nara	अच्छा जी, नमस्ते (विदा लेते समय)
Oyasumi nasai	शुभ रात्रि
Minasan	लोगो, या देवियो और सज्जनो
... san	... जी (श्री .. , श्रीमती .. , कुमारी ..)

विवरण:

Ohayo: gozaimasu

gozaimasu का शाब्दिक अर्थ है, "है" । आदर व्यक्त करते समय यह शब्द लगा दिया जाता है । इस लिये अपने से बड़ों को संबोधित करते समय केवल **Ohayo:** न कहकर **Ohayo:gozaimasu** कहना चाहिये । **Sayo:nara** के **yo:**को ह्रस्व करके **Sayonara** भी कहा जाता है ।

अभ्यास:

Minasan	**Ohayo: (gozaimasu)**
Sato: san	**Kon-nichiwa**
Jain san	**Kon-banwa**
Kato: san	**Sayo:nara**
	Oyasumi nasai

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-२

KAZU (संख्या)	
Ichi kara Ju: made	एक से दस तक
Ichi, Ni, San, Shi, Go,	एक, दो, तीन, चार, पाँच,
Roku, Shichi, Hachi, Ku, Ju:	छः, सात, आठ, नौ, दस
Ju:ichi kara Niju: made	ग्यारह से बीस तक
Ju:ichi, Ju:ni, Ju:san, Ju:shi,	ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह,
Ju:go, Ju:roku, Ju:shichi,	पंद्रह, सोलह, सत्रह,
Ju:hachi, Ju:ku, Niju:	अठारह, उन्नीस, बीस

विवरणः

(१) ये संख्या वाचक शब्द, चीनी भाषा से लिये गये हैं। एक से दस तक गिनने के लिये जापानी भाषा के अपने मूल शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।

(२) संख्या वाचक शब्द बड़ी आसानी से याद किये जा सकते हैं।

(३) Shi, Shichi और Ku शब्दों को क्रमशः Yon, Nana और Kyu: भी कहा जाता है।

अभ्यासः

Niju:, Sanju:, Yonju:, Goju:,	बीस, तीस, चालीस, पचास,
Rokuju:, Shichiju:, Hachiju:,	साठ, सत्तर, अस्सी,
Kyu:ju:, Hyaku	नब्बे, सौ

(१) बीस, तीस, चालीस आदि शब्द, दो, तीन, चार आदि शब्दों के बाद दस अर्थ के Ju: शब्द जोड़ कर बनाये जाते हैं।

(२) बाईस, तेईस, चौबीस आदि, बीस-दो, बीस-तीन, बीस-चार के उपाय से व्यक्त किये जाते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-३

YO:BI (वार)	
Kyo: wa Mokuyo:bi desu	आज वृहस्पतिवार है ।
Ashita wa Kinyo:bi desu	कल शुक्रवार है ।
Nichiyo:bi, Getsuyo:bi,	रविवार, सोमवार,
Kayo:bi, Suiyo:bi, Mokuyo:bi,	मंगलवार, बुध्धवार, वृहस्पतिवार,
Kinyo:bi, Doyo:bi	शुक्रवार, शनिवार

विवरण:

(१) जापानी वार के नाम ठीक हिन्दी की भाँति बनते हैं । Yo:bi का अर्थ है, वार, Nichi का अर्थ है, रवि । Nichiyo:bi का अर्थ हुआ, रविवार । ठीक इस प्रकार Getsu, Ka, Sui, Moku, Kin और Do तारों के नाम हैं । इन नामों पर वार अर्थ का Yo:bi जोड़ा जाता है ।

(२) Kyo: wa Mokuyo:bi desu ।
आज वृहस्पतिवार है । इस वाक्य को याद कीजिये । ठीक इस प्रकार Kore wa Tsukue desu कहें, तो उस का अर्थ यह होता है कि "यह मेज़ है" । यहाँ wa कर्ता कारक व्यक्त करने वाला अव्यय है । Watashi wa Jain desu का अर्थ है, "मैं जैन हूँ" ।

(३) Ashita wa Kinyo:bi desu । कल शुक्रवार है ।
जापानी भाषा में भविष्यत भी वर्तमान काल द्वारा व्यक्त किया जाता है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-४

TOSHI (आयु)	
Watashi wa Sanju:go desu	मैं पैंतीस वर्ष का हूँ ।
Watashi no Chichi wa Rokuju:go desu	मेरे पिता जी पैंसठ वर्ष के हैं ।
Watashi no Musuko wa Nanatsu desu	मेरा बेटा सात वर्ष का है ।

विवरण:

(१) जापानी में आयु या वर्ष न कहकर केवल "मैं पैंतीस हूँ", "मेरे पिता जी पैंसठ हैं" आदि कहा जाता है । यदि वर्ष कहना चाहें, तो **Sanju:go sai desu** कहा जाता है ।

(२) एक से लेकर दस तक गिनने के लिये, साधारण शब्दों के अतिरिक्त जापानी भाषा के मूल शब्दों का भी प्रयोग होता है ।
आयु या गोल चीजें आदि गिनते समय संख्या वाचकों के बाद **tsu** शब्द लगाया जाता है ।

Hitotsu, Futatsu, Mittsu, Yottsu, Itsutsu, Muttsu, Nanatsu, Yattsu, Kokonotsu, To:

(३) चीजें गिनने में सावधान रहना चाहिये । गोल चीज़ या आयु गिनते समय संख्या वाचकों के बाद **tsu** लगाया जाता है, जैसे **Hitotsu, Futatsu** । काग़ज़, कपड़ा आदि पतली चौड़ी वस्तुएँ गिनते समय संख्या वाचकों के बाद **mai** शब्द लगाया जाता है, जैसे **Ichimai, Nimai** ।

(४) संज्ञा और क्रिया के रूपों में एकवचन और बहुवचन का भेद नहीं है ।

(५) **no** का अर्थ है "का" । लेकिन यह शब्द "का", "के" और "की" की तरह परिवर्तित नहीं होता ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-५

HIZUKE (तारीख)	
Kyo: wa Gogatsu Mikka desu	आज तीन मई है ।
Gogatsu Mikka wa Getsuyo:bi desu	तीन मई सोमवार है ।

विवरण:

(१) जापानी में वर्ष, माह और तारीख को क्रम से बताया जाता है ।

(२) तारीख बताने के लिये प्रथम से दसवीं तारीख तक मूल संख्या वाचकों का प्रयोग होता है ।

(३) संख्या वाचकों के बाद तारीख अर्थ का शब्द जोड़ा जाता है । यह ka है । लेकिन पहली तारीख के लिये शब्द Tsuitachi है ।

(४) ग्यारहवीं तारीख के बाद यह ka साधारणतया nichi में परिवर्तित होता है । लेकिन कुछ संख्या वाचकों के बाद ka रूप का प्रयोग होता है ।

(५) माह बताना बहुत ही सरल है । Ichi, Ni, San, Shi वाले साधारण संख्या वाचकों के बाद माह अर्थ का gatsu लगाया जाता है ।

अभ्यास:

Kyo: wa Shigatsu Niju:ku-nichi Mokuyo:bi desu — आज २९ अप्रैल वृहस्पतिवार है ।

Ashita wa Shigatsu Sanju:-nichi Kinyo:bi desu — कल ३० अप्रैल शुक्रवार है ।

Gogatsu Ju:yokka wa Kinyo:bi desu — १४ मई तो शुक्रवार है ।

ग्यारहवीं तारीख के बाद ka शब्द का प्रयोग करने वाले दिन हैं, १४ka , २०ka और २४ka । उन्हें Ju:yokka, Hatsuka और Niju:yokka कहते हैं ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-६

BUN (वाक्य)	
Kore wa Tsukue desu	यह मेज़ है ।
Are wa Kabe desu	वह दीवार है ।
Sore wa Hon desu	वह पुस्तक है ।
Watashi wa Ijima desu	मैं इजिमा हूँ ।
Watashi tachi wa Gakusei desu	हम लोग विद्यार्थी हैं ।
Anata wa Sensei desu	आप अध्यापक हैं ।
Anata tachi wa Gakusei desu	आप लोग विद्यार्थी हैं ।

विवरण:

(१) वाक्य रचना ठीक हिन्दी की भाँति की जाती है ।

(२) **Sore** और **Are** दोनों को "वह" कहते हैं । **Sore** वक्ता से दूर, पर श्रोता के निकट वाली चीज़ को कहते हैं, जब कि **Are** वक्ता और श्रोता दोनों से दूर रहने वाली चीज़ को कहते हैं ।

(३) सर्वनामों में बहुवचन का रूप है, लेकिन क्रिया में एकवचन और बहुवचन का भेद नहीं है ।

(४) **wa** कर्ता कारक व्यक्त करने वाला अव्यय है । जापानी में ऐसे कुछ अव्यय हैं, जिन के ठीक प्रयोग से अच्छी जापानी बनती है ।

अभ्यास:

Kore wa Sakura desu	यह साकुरा (चेरी) है ।
Sore mo Sakura desu	वह भी साकुरा है ।
Are wa Sakura dewa arimasen	वह तो साकुरा नहीं है ।

(१) **mo** का अर्थ है "भी" । जब यह शब्द आता है, तो कर्ता कारक **wa** लगाने की आवश्यकता नहीं है ।

(२) **dewa arimasen** का अर्थ है, "नहीं है" । यह **desu** का नकारात्मक रूप है । जैसे **Watashi wa Kato: dewa arimasen** अर्थात " मैं कातो नहीं हूँ"।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-७

SONZAI (अस्तित्व)	
Koko ni Inu ga imasu	यहाँ कुत्ता है ।
Asoko ni Uma ga imasu	वहाँ घोड़ा है ।
Soko ni Neko ga imasu	वहाँ बिल्ली है ।
Koko ni Ie ga arimasu	यहाँ घर है ।
Asoko ni Yama ga arimasu	वहाँ पहाड़ है ।
Soko ni Ki ga arimasu	वहाँ पेड़ है ।

विवरण:

(१) जीवधारियों के अस्तित्व को व्यक्त करने के लिये **imasu** और निर्जीव वस्तुओं के होने को व्यक्त करने के लिये **arimasu** शब्द का प्रयोग किया जाता है ।

(२) **imasu, desu, arimasu** आदि में अंतिम **su** कभी कभी स् की तरह उच्चारित होता है ।

(३) **ni** का अर्थ है "में" ।

अभ्यास:

Tsukue no ue ni Hon ga arimasu	मेज़ पर पुस्तक है ।
Hako no naka ni Mikanga arimasu	बक्से में संतरे हैं ।
Ki no shita ni Hito ga imasu	पेड़ के नीचे आदमी है ।

शब्द:

... no ue ni	... के ऊपर, .. पर
... no naka ni	... के भीतर, .. में
... no shita ni	... के नीचे

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ -८

GIMON-SHI (प्रश्न सूचक शब्द)

Are wa nan desu ka ?	वह क्या है ?
Mango desu	आम है ।
Ano Hito wa dare desu ka ?	वह कौन है ?
Yamada san desu	यामादा जी हैं ।
Depa:to wa doko ni arimasu ka?	डिपार्टमेंट स्टोर कहाँ है ?
Ginza ni arimasu	गिन्ज़ा में है ।
Kyo: wa nan-Yo:bi desu ka ?	आज कौन-सा दिन है ?
Getsuyo:bi desu	सोमवार है ।

विवरण:

(१) वाक्य के अन्त में ka लगाकर प्रश्न पूछा जाता है ।

(२) यह kore, वह sore, क्या nani , यहाँ koko , वहाँ soko , कहाँ doko , कौन dare।

(३) nani + desuka= nan desuka क्या है ?

nani + Yo:bi = nan Yo:bi कौन-सा दिन ?

अभ्यास:

Kore wa nan desu ka ?	यह क्या है ?
Kore wa Maiku desu	यह माइक्रोफ़ोन है ।
Kono Hito wa dare desu ka?	यह कौन है ?
Jain san desu	जैन जी हैं ।
Ano Hito wa dare desu ka ?	वे कौन हैं ?
Ano Hito wa Anaunsa: desu	वे उद्घोषक हैं ।

जापानी में जब विदेशी शब्द अपनाये जाते हैं, तो मूल शब्दों का उच्चारण, जापानी भाषा के उच्चारण के अनुसार कुछ बदल जाता है । जापानी में लम्बे शब्द को छोटा कर उच्चारित करने की प्रवृत्ति भी है, जैसे माइक्रोफ़ोन को Maiku और टेलिविजन को Terebi ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-९

KEIYO:-SHI (विशेषण)

Kore wa takai Ki desu	यह ऊँचा पेड़ है ।
Sore wa yu:meina Hon desu	वह प्रसिद्ध पुस्तक है ।
Kore wa takai Hon desu	यह महँगी पुस्तक है ।
Kono Hon wa Imo:to no desu	यह पुस्तक छोटी बहन की है ।
Ano atarashii Hon wa Watashi no desu	वह नई पुस्तक मेरी है ।

विवरण:

(१) **takai** के दो अर्थ हैं । एक तो "ऊँचा" और दूसरा " महँगा" ।

(२) विशेषण साधारणतया **-i** या **-na** में खत्म होता है ।

(३) "यह पुस्तक", "वह पुस्तक" आदि कहते समय कर्ता कारक होने पर भी **kore , are , sore** आदि शब्द **kono , ano , sono**आदि में परिवर्तित होते हैं ।

(४) **Imo:to no** छोटी बहन की

Watashi no मेरी

अभ्यास:

Kore wa yoi Pen desu	यह अच्छी कलम है ।
Are wa yasui Pen desu	वह सस्ती कलम है ।
Sore wa kireina Hon desu	वह सुन्दर पुस्तक है ।
Kono Hon wa Oto:to no desu	यह पुस्तक छोटे भाई की है ।

शब्द:

yoi अच्छा, **Pen** पेन, कलम, **yasui** सस्ता

kireina सुन्दर, **Oto:to** छोटा भाई

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१०

KEIYO:-SHI (विशेषण) ---(2)

Kono Hon wa takai desu	यह पुस्तक महँगी है ।
Ano Hon wa yu:mei desu	वह पुस्तक प्रसिद्ध है ।
Sore wa Watashi no desu	वह मेरी है ।
Sono atsui Hon wa Sensei no desu	वह मोटी पुस्तक अध्यापक की है ।
Kono Nashi wa o:kii desu	यह नाशपाती बड़ी है ।
Ano Mikan wa chi:sai desu	वह संतरा छोटा है ।

विवरण:

(१) जब विशेषण संज्ञा के बाद आता है, तो विशेषण के बाद ही **desu** शब्द लगाया जाता है । ऐसे अवसर पर **-i** में खत्म होने वाले विशेषण में कोई परिवर्तन नहीं होता । **-na** में खत्म होने वाले विशेषण में अंतिम **na** को हटाकर केवल धातु ही कही जाती है । अर्थात **yu:meinadesu** न कहकर **yu:meidesu** कहा जाता है ।

अभ्यास:

Kore wa Kimono desu	यह किमोनो (जापानी वस्त्र) है ।
Kore wa kireina Kimono desu	यह सुन्दर किमोनो है ।
Kono Kimono wa kirei desu	यह किमोनो सुन्दर है ।
Kono kireina Kimono wa dare no desu ka ?	यह सुन्दर किमोनो किस का है ?
Kono kireina Kimono wa Ijima san no desu	यह सुन्दर किमोनो इजिमा जी का है ।
Ijima san no Kimono wa taihen kirei desu	इजिमा जी का किमोनो बहुत सुन्दर है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-११

JIDO:-SHI (अकर्मक क्रिया) ---- वर्तमान काल	
Hana ga saki masu	फूल खिलता है ।
Tori ga naki masu	चिड़िया चहचहाती है ।
Hito ga ki masu	आदमी आता है ।
Watashi wa koko de machi masu	मैं यहाँ प्रतीक्षा करता हूँ ।
Ano Hito wa Kyo: Hokkaido: e yuki masu	वे आज होक्काइदो जाते हैं ।

विवरण:

(१) क्रियाओं का रूप जानना कठिन है । क्योंकि वे हिन्दी क्रियाओं की तरह काल, वचन आदि के अनुसार एक नियमित रूप धारण नहीं करतीं । लेकिन बोलचाल में क्रिया का रूप बहुत कुछ सरल हो जाता है । साधारणतया **-i** में अन्त करके उस पर **masu** लगाने से वर्तमान काल बन जाता है । उपर्युक्त क्रियाओं के मूल रूप इस प्रकार हैं ।

saku खिलना, **naku** चहचहाना, **kuru** आना (इस का रूप-परिवर्तन असाधारण है), **matsu** प्रतीक्षा करना (तवर्ग की दूसरी ध्वनि **ti** न होकर **chi** है) और **yuku** जाना ।

(२) **... e** ... की ओर

... de ... में, ... पर

अभ्यास:

Jain san wa yomi masu	जैन जी पढ़ती हैं ।
Ijima san wa hanashi masu	इजिमा जी बोलती हैं ।
Doi san ga kaki masu	दोई जी लिखते हैं ।
Watashi wa utai masu	मैं तो गाती हूँ ।
Ano Hito ga odori masu	वे ही नाचते हैं ।
Kono Hito ga yuki masu	ये सज्जन जाते हैं ।

ga, wa दोनों कर्ता कारक चिह्न हैं, जिन में कोई विशेष अन्तर नहीं है । लेकिन कभी कभी **ga-** ही, और **wa-** तो के अर्थ में प्रयुक्त होते हैं।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१२

TADO:-SHI (सकर्मक क्रिया)

Watashi wa Terebi o mimasu	मैं टेलिविजन देखता हूँ ।
(Watashi wa) Anata ni kono Hon o agemasu	मैं आप को यह पुस्तक देती हूँ ।
(Watashi wa) To:kyo: Eki de Shinbun to Zasshi o kaimasu	मैं तोक्यो स्टेशन पर समाचारपत्र और पत्रिका खरीदता हूँ ।
(Watashi wa) Ashita Amerika e Tegami o dashimasu	मैं कल अमरीका में एक पत्र भेजूँगा ।

विवरण:

(१) हिन्दी "को" की भाँति कर्मवाची शब्द पर परसर्ग **o** लगाया जाता है ।

(२) संप्रदान का परसर्ग **ni** है ।

(३) संप्रदान तथा कर्मवाची शब्दों के स्थान बदले जा सकते हैं । जैसे

Anata ni kono Hon o agemasu = Kono Hon o Anata ni agemasu

(४) बोलचाल में **Watashi wa** कहने की आवश्यकता नहीं है ।

(५) जापानी में संज्ञा के बाद कारक व्यक्त करने वाला अव्यय अवश्य आता है ।

अभ्यास:

Watashi wa Shu:kanshi o yomimasu	मैं साप्ताहिक पत्रिका पढ़ती हूँ ।
Kato: san wa Shinbun o yomimasu	कातो जी समाचारपत्र पढ़ते हैं ।
Ito: san wa Sho:setsu o kakimasu	इतो जी उपन्यास लिखते हैं ।
Watashi wa Sho:setsu o yomimasu	मैं तो उपन्यास पढ़ता हूँ ।

शब्द:

mi masu (miru)	देखता हूँ ।
age masu (ageru)	देता हूँ ।
kai masu (kau)	खरीदता हूँ ।
dashi masu (dasu)	भेजता हूँ ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१३

DO:SHI (क्रिया, विशेषण के रूप में)

Haru wa Hana ga saku Toki desu	वसन्त फूलों के खिलने का समय है ।
Are wa To:kyo: e yuku Basu desu	वह तोक्यो जाने वाली बस है ।
Tsubame wa Minami kara kuru Tori desu	अबाबील दक्षिण से आने वाली चिड़िया है ।
Kore wa yoku Nezumi o toru Neko desu	यह खूब चूहों को पकड़ने वाली बिल्ली है ।
Watashi wa Gohan o taberu Toki Rajio o kiki masu	मैं खाना खाते समय रेडियो सुनता हूँ ।

विवरण:

(१) क्रिया के विशेषण के तौर पर प्रयुक्त होते समय, साधारणतया उस का मूल रूप आता है ।

(२) **ga** , **wa** के प्रयोग पर ध्यान दीजिये । पहले वाक्य में **Hana ga** है । उसे **Hana wa** नहीं कहा जा सकता । निश्चय के साथ कहते समय **ga** आता है ।

अभ्यास:

Ima wa Gakko: e yuku Toki desu	अब पाठशाला जाने का समय है ।
Kore wa O:saka e yuku Hiko:ki desu	यह ओसाका जाने वाला विमान है ।
Kanojo wa yoku Uta o utau Hito desu	वह(स्त्री) खूब गाना गाने वाली है ।

शब्द:

taberu Toki (taberu)	खाते समय
kiki masu (kiku)	सुनता हूँ
yuku Toki (yuku)	जाने का समय
Hiko:ki	विमान

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१४

FUKUGO:DO:SHI (संयुक्त क्रिया)	
Watashi wa Rokuji ni okimasu	मैं छः बजे उठता हूँ ।
Rokuji ni okite Sanpo o shimasu	छः बजे उठकर सैर करता हूँ ।
Ame no Hi niwa Shinbun o yondari	वर्षा के दिन कभी समाचारपत्र पढ़ता और
Rajio o kiitari shimasu	कभी रेडियो सुनता हूँ ।
Terebi o mi nagara Shokuji o shimasu	टेलिविजन देखते हुये भोजन करता हूँ ।

विवरण:

(१) okite = oki (क्रिया okiru की धातु) + te = उठकर

यह te पहले आने वाली ध्वनि के अनुसार कभी कभी de में बदल जाता है।

(२) ... tari ... tari = कभी ... करता, और कभी ... करता हूँ

यह tari भी पहले आने वाली ध्वनि के अनुसार कभी कभी dari में बदल जाता है ।

(३) mi nagara = mi (क्रिया miru की धातु) + nagara = देखते हुये

अभ्यास:

Itte mimasu	जाकर देखता हूँ ।
Yonde kimasu	पढ़कर आऊँगा ।
Nichiyo:bi niwa Hon o yondari	रविवार को तो कभी पुस्तक पढ़ता और
Terebi o mitari shimasu	कभी टेलिविजन देखता हूँ ।
Kare wa Sake o nomi nagara Shokuji o shimasu	वे शराब पीते हुये भोजन करते हैं ।

kimasu वर्तमान काल है । लेकिन यह भविष्यत्काल के लिये प्रयुक्त होता है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१५

HITEI-BUN (नकारात्मक वाक्य)	
Ano Hito wa Nippon-jin dewa arimasen	वह जापानी नहीं है ।
Sono Hon wa yoku arimasen	वह पुस्तक अच्छी नहीं है ।
Yasuku mo arimasen	और सस्ती भी नहीं है ।
Kono Sho:setsu wa yu:mei dewa arimasen	यह उपन्यास प्रसिद्ध नहीं है ।
Watashi wa Kyo: wa To:kyo: e yukimasen	मैं आज तोक्यो नहीं जाऊँगा ।
Kono Densha wa Shizuoka ni wa tomarimasen	यह बिजली की गाड़ी शिज़ुओका पर नहीं रुकती ।

विवरण:

(१) **desu** के नकारात्मक शब्द **dewa arimasen** और **arimasen** हैं ।

(२) **masu** का नकारात्मक रूप **masen** है ।

अभ्यास:

Kono Basu wa Shinbashi e yuki masu ka ?	क्या यह बस शिंबाशी जाती है ?
Iiye, yuki masen	नहीं, नहीं जाती ।
Kore wa Hon desu ka ?	क्या यह पुस्तक है ?
Iiye, Hon dewa arimasen	नहीं, यह पुस्तक नहीं है ।
Kore wa takai desu ka ?	क्या यह महँगा है ?
Takaku arimasen	महँगा नहीं है ।
Kono E wa kirei dewa arimasen	यह चित्र सुन्दर नहीं है ।

शब्द:

Iiye	नहीं
E	चित्र

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१६

HITEI-BUN (नकारात्मक वाक्य)---2	
Ano Hito wa Nippon-jin dewa naku, Chu:goku-jin desu	वह जापानी नहीं, चीनी है ।
Sore wa yokunai Koto desu	वह तो अच्छी बात नहीं है ।
Mada konai Hito wa dare desuka ?	अब तक न आये लोग कौन हैं ?
Watashi no Kodomo wa Asa-gohan o tabe naide Gakko: e yukimasu	मेरा बच्चा नाश्ता न करके पाठशाला जाता है ।

विवरण:

(१) **dewa naku** = न होकर

(२) **yoku nai** = अच्छी नहीं (यह शब्द विशेषण है)

(३) **konai** = न आने वाला ("आना" अर्थ के **kuru** की धातु **ko** पर **nai** लगाया जाता है)

(४) **tabe naide**= न खाकर

अभ्यास:

Kore wa Mango: dewa naku Amuru:do desu	यह आम नहीं, अमरूद है ।
Mango: o nusumu no wa yokunai Koto desu	आम चुराना अच्छा नहीं है ।
Yukanai Hito wa dare desu ka ?	न जाने वाले कौन हैं ?
Watashi wa Shinbun o yomanaide Kaisha e yukimasu	मैं समाचारपत्र पढ़े बिना कंपनी जाता हूँ ।

nusumu no = चुराना (क्रिया + **no** से संज्ञा बनती है)

yomanaide = पढ़े बिना, न पढ़कर

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१७

KAKO (भूतकाल)

Kino: wa Shichigatsu Niju:ichi Nichi deshita कल २१ जुलाई था ।

Ano Hito no Oto:san wa Sho:setsu-ka deshita उस के पिता जी उपन्यासकार थे ।

Eki de Shinbun o katte, Densha noriस्टेशन पर समाचारपत्र खरीदकर, बिजली की गाड़ी पर सवार हुआ ।

Densha ni notta Toki, Tomodachi ni aimashita जब बिजली की गाड़ी पर सवार हुआ, तो एक मित्र मिल गया ।

Kyo: Watashi wa nani mo kaimasen deshita आज मैंने कुछ भी नहीं खरीदा ।

Kino: katta Hon wa yoku arimasen deshita जो पुस्तक कल खरीदी, वह अच्छी नहीं थी ।

विवरण:

(१) भूतकाल **ta** से व्यक्त किया जाता है । **desu** का भूतकाल **deshita** है ।

(२) **Oto:san** = पिता जी

दूसरे के पिता के बारे में बातें करते समय यह शब्द कहा जाता है ।

o आदर सूचक अव्यय है, और **san** का अर्थ "जी" है । अपने पिता को **Chichi** कहते हैं ।

(३) **notta Toki** = जब सवार हुआ, तब

(४) **nani mo** = कुछ भी

kaimasen deshita = नहीं खरीदा

kaimasen का अर्थ है " खरीदता नहीं "। इस पर भूतकाल का **deshita** जोड़ा जाता है ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१८

HAI to IIYE (हाँ और नहीं)

Ano Hito wa Fujita san desu ka ?	क्या वे फुजिता जी हैं ?
Hai, Fujita san desu	हाँ, फुजिता जी हैं ।
Hai, so: desu	हाँ, ठीक है ।
Iiye, Fujita san dewa arimasen	नहीं, वे फुजिता जी नहीं हैं ।
Iiye, chigai masu	नहीं, गलत है ।
Anata wa Kino: O:no san ni aimashita ka ?	क्या आप कल ओनो जी से मिले ?
Hai, aimashita	जी हाँ, मिला ।
Iiye, aimasen (deshita)	नहीं, नहीं मिला ।
Anata wa Kyo:to e yukimasen ka ?	क्या आप क्योतो नहीं जाते ?
Hai, yukimasen	जी नहीं, नहीं जाता ।
Iiye, yukimasu	हाँ, जाता हूँ ।

विवरण:

(१) **so: desu** = ठीक है, आप का कहना ठीक है ।

chigaimasu= गलत है, ठीक नहीं है ।

ये दोनों शब्द अनेक अवसरों पर प्रयोग किये जाते हैं ।

(२) **hai** और **iiye** कहते समय सावधान रहना चाहिये । कभी कभी ये दोनों हिन्दी के उलटे प्रयोग किये जाते हैं । हिन्दी में किया के अनुसार "हाँ" या "नहीं" कहा जाता है । पर जापानी में पूर्ण वाक्य के अनुसार **hai** या **iiye** कहा जाता है । जैसे **Yukimasen ka ? Hai, yukimasu**

(३) **aimasen (deshita)** कभी कभी **deshita** नहीं कहा जाता ।

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-१९

HIKAKU (तुलना)

Jiro: kun wa Saburo: kun to onaji kurai o:kii desu	कद में जिरो, साबुरो के बराबर है ।
Gin wa Kin yori yasuku, Do: yori takai desu	चाँदी, सोने से सस्ती और ताँबे से महँगी है ।
Gin wa Kin hodo takaku arimasen	चाँदी, सोने की तरह महँगी नहीं है ।
Fuji San wa Nippon de ichiban takai Yama desu	पर्वत फुजि, जापान में सब से ऊँचा पहाड़ है ।

विवरण:

(१) **Jiro: kun, Saburo: kun**

साधारणतया "जी" या "श्री" के लिये **san** कहते हैं । परन्तु अपने बराबर या अपने से छोटों को **kun** लगाकर पुकार सकते हैं ।

onaji kurai o:kii = लगभग बराबर बड़ा

(२) उत्तरावस्था के लिये **yori** + विशेषण

(३) **hodo**+ विशेषण +**arimasen** = के बराबर नहीं है

(४) उत्तमावस्था **no naka de ichiban**

no naka de = में से

ichiban = प्रथम, सब से अधिक

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-२०

KIBO: (इच्छा)	
Watashi wa Ko:hi: ga nomitai desu	मैं कॉफ़ी पीना चाहता हूँ ।
Kotoshi no Fuyu-yasumi niwa Kyu:shu:e yukitai to omoimasu	इस वर्ष जाड़े की छुट्टियों में क्यूशू जाना चाहता हूँ ।
Anata wa dono Kamera ga hoshii desu ka ?	आप कौन-सा कैमेरा (लेना) चाहते हैं ?
Shokuji no Ato de Tabako o suitaku naru Hito ga o:i desu	भोजन के बाद तम्बाकू पीना चाहने वाले अनेक लोग हैं ।
Kono Shigoto o Anata ni shite hoshii no desu	मैं चाहता हूँ कि यह काम आप कर दें ।

विवरण:

(१) **nomitai desu** = पीना चाहता हूँ

इच्छा व्यक्त करने के लिये क्रिया + **tai**

(२) **yukitai to omoimasu**= जाना चाहता हूँ

omoimasu का शाब्दिक अर्थ है " ऐसा मेरा विचार है"।

(३) **hoshii desu** = चाहता हूँ

(४) **suitaku naru** = पीना चाहने लगना

suitaku = पीना चाहने

naru = हो जाना

(५) **shite hoshii** = आप कर दीजिये, यह मेरी इच्छा है

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

पाठ-२१

ISHI (निश्चय)

Watashi wa Ashita kanarazu koko e kimasu	मैं कल यहाँ अवश्य आऊँगा ।
Kotoshi no Fuyu wa Hawai e yuku Tsumori desu	इस वर्ष शीत ऋतु में हावाई जाने का इरादा है ।
Anata wa kono Iye o uru Tsumori desu ka ?	क्या आप को यह घर बेचने का इरादा है ?
Iiye, uru Tsumori wa arimasen	जी नहीं, बेचने का कोई इरादा नहीं है ।

विवरण:

(१) **kimasu** वर्तमान काल है । लेकिन यहाँ भविष्यत के लिये प्रयोग किया गया है ।

(२) **yuku Tsumori desu** = जाने का इरादा है ।

(३) **uru Tsumori desu** = बेचने का इरादा है ।

(४) **Tsumori wa arimasen**= इरादा नहीं है ।

जापानी वर्णमाला

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

a	あ	ア	i	い	イ	u	う	ウ	e	え	エ	o	お	オ
ka	か	カ	ki	き	キ	ku	く	ク	ke	け	ケ	ko	こ	コ
sa	さ	サ	shi*	し	シ	su	す	ス	se	せ	セ	so	そ	ソ
ta	た	タ	chi	ち	チ	tsu	つ	ツ	te	て	テ	to	と	ト
na	な	ナ	ni	に	ニ	nu	ぬ	ヌ	ne	ね	ネ	no	の	ノ
ha	は	ハ	hi	ひ	ヒ	fu*	ふ	フ	he	へ	ヘ	ho	ほ	ホ
ma	ま	マ	mi	み	ミ	mu	む	ム	me	め	メ	mo	も	モ
ya	や	ヤ	—			yu	ゆ	ユ	—			yo	よ	ヨ
ra	ら	ラ	ri	り	リ	ru	る	ル	re	れ	レ	ro	ろ	ロ
wa	わ	ワ	—			—			—			—		
n*	ん	ン												

ga	が	ガ	gi	ぎ	ギ	gu	ぐ	グ	ge	げ	ゲ	go	ご	ゴ
za	ざ	ザ	ji*	じ	ジ	zu	ず	ズ	ze	ぜ	ゼ	zo	そ	ゾ
da	だ	ダ	—			*			de	で	デ	do	ど	ド
ba	ば	バ	bi	び	ビ	bu	ぶ	ブ	be	べ	ベ	bo	ぼ	ボ
pa	ぱ	パ	pi	ぴ	ピ	pu	ぷ	プ	pe	ぺ	ペ	po	ぽ	ポ

kya	きゃ	キャ	kyu	きゅ	キュ	kyo	きょ	キョ
sya	しゃ	シャ	syu*	しゅ	シュ	syo	しょ	ショ
cha	ちゃ	チャ	chu	ちゅ	チュ	cho	ちょ	チョ
nya	にゃ	ニャ	nyu	にゅ	ニュ	nyo	にょ	ニョ
hya	ひゃ	ヒャ	hyu	ひゅ	ヒュ	hyo	ひょ	ヒョ
mya	みゃ	ミャ	myu	みゅ	ミュ	myo	みょ	ミョ
rya	りゃ	リャ	ryu	りゅ	リュ	ryo	りょ	リョ

gya	ぎゃ	ギャ	gyu	ぎゅ	ギュ	gyo	ぎょ	ギョ
jya*	じゃ	ジャ	jyu*	じゅ	ジュ	jyo*	じょ	ジョ
bya	びゃ	ビャ	byu	びゅ	ビュ	byo	びょ	ブョ
pya	ぴゃ	ピャ	pyu	ぴゅ	ピュ	pyo	びょ	ピョ

Printed in Japan

CC-0. Agamnigam Digital Presevation Foundation, Chandigarh

Radio Japan
NHK
Tokyo, Japan